NEWS CLIPPING: 14.10.2020

THE TRIBUNE

FACULTY DEVELOPMENT PROGRAMME

Faridabad: The Department of Civil Engineering of JC Bose University of Science and Technology here in collaboration with REC Ambedkar Nagar (UP) is organising TEQIP-III, a five-day faculty development programme, on "Safety engineering". As many as 115 participants from various colleges across the country will participate in the programme. The programme was inaugurated by Registrar SK Garg. Congratulating the department for conducting the programme on safety engineering, which is an essential aspect nowadays, he said construction was an important sector where safety, health and environment were important for improving efficiency of workers and avoiding accidents. A little investment in safety equipment will prevent accidents or loss of human life, he added. Senior advisor at the Construction Industry Development Council (CIDC) here and senior auditor of safety health and environment BR Chauhan stressed the need of avoiding various health hazards due to electrical faults, welding faults, dust, garbage and construction equipment failure at sight. Regular safety checking of equipment and following of safety codes is necessary to avoid accidents. The safety team in the construction and industrial sector is essential for regular monitoring of safety guidelines. Safety Head in Ahluwalia Contracts (India) Ltd Amarjeet Singh Ahluwalia discussed safety initiatives in the construction sector.

The Tribune Wed, 14 October 2020
https://epaper.tribun

NEWS CLIPPING: 14.10.2020

PUNJAB KESARI

'निर्माण क्षेत्र में सुरक्षा-बचाव पर ध्यान देना महत्वपूर्ण'

फरीदाबाद, 13 अक्तूबर (ब्यूरो): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आरईसी अंबेडकर नगर (यूपी) के संयुक्त तत्वावधान से से टी इंजीनियरिंग पर टीईक्यूआईपी-3 पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया है। कार्यक्रम में देश भर के विभिन्न कॉलेजों के 115 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलसचिव डॉ. एस. के. गर्ग ने किया तथा प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने सुरक्षा इंजीनियरिंग पर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विभाग को बधाई देते हुए कहा कि सिविल कार्यों में सुरक्षा एक महत्वपूर्ण पहलू है। उन्होंने कहा कि निर्माण महत्वपूर्ण क्षेत्र है जहां श्रमिकों की दक्षता में सुधार और दुर्घटनाओं से बचाव के लिए सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण पर ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा उपकरणों में थोडा निवेश दुर्घटना अथवा

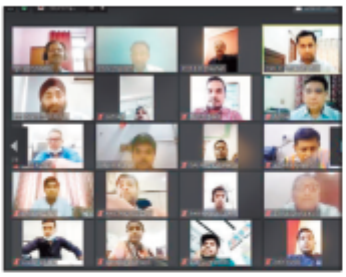

वेबीनार में भाग लेते हुए इंजीनियर व अन्य।

मानव जीवन की क्षति को रोक सकता है। निर्माण उद्योग विकास परिषद, फरीदाबाद में वरिष्ठ सलाहकार और सुरक्षा स्वास्थ्य और पर्यावरण के वरिष्ठ लेखा परीक्षक, बी. आर. चौहान ने बिजली एवं वेल्डिंग में खराबी, धूल, कचरा तथा निर्माण उपकरण की विफलता को देखते हुए विभिन्न स्वास्थ्य खतरों से बचने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं से बचने के लिए उपकरणों की नियमित सुरक्षा जाँच और सुरक्षा कोड का पालन आवश्यक है। सुरक्षा दिशानिर्देशों की नियमित निगरानी के लिए निर्माण और औद्योगिक क्षेत्र में सुरक्षा टीम आवश्यक है। अहलूवालिया कॉन्ट्रैक्ट्स (इंडिया) लिमिटेड के प्रमुख अमरजीत सिंह अहलूवालिया ने निर्माण क्षेत्र में सुरक्षा पहल पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि उनकी कंपनी प्रबंधित निर्माण कंपनी है जो पूरे भारत में बडी परियोजनाओं को संभाल रही है। इतने बडे प्रोजेक्ट व्यवसाय में भी, यह विभिन्न सुरक्षित विनियमन और सुरक्षा ऑडिट का पालन करके श्रमिकों की सुरक्षा को सुनिश्चित बनाती है। से टी ऑडिट एक कंपनी और प्रबंधन की खामियों को बताया है। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल से श्रमिकों की दक्षता में सुधार होता है और दुर्घटनाओं से बचाव होता है। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डॉ. एम.एल. अग्रवाल ने सुझाव दिया कि उद्योगों, निर्माण क्षेत्र, विद्युत उपकरण, जल प्रबंधन, प्रक्रिया उद्योग और कोविड-19 में सुरक्षा आजकल सर्वोपरि है।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Wed,14 October 2020
Edition: faridabad kesari, Page no. 4

NEWS CLIPPING: 14.10.2020

THE PIONEER

सेफ्टी इंजीनियरिंग पर पांच दिवसीय कार्यक्रम प्रारंभ

फरीदाबाद। वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आरईसी अंबेडकर नगर (यूपी) के संयुक्त तत्वावधान से सेफ्टी इंजीनियरिंग पर टीईक्यूआईपी-3 पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया है। कार्यक्रम में देश भर के विभिन्न कॉलेजों के 115 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग ने किया तथा प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने सुरक्षा इंजीनियरिंग पर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विभाग को बधाई देते हुए कहा कि सिविल कार्यों में सुरक्षा एक महत्वपूर्ण पहलू है। उन्होंने कहा कि निर्माण महत्वपूर्ण क्षेत्र है जहां श्रमिकों की दक्षता में सुधार और दुर्घटनाओं से बचाव के लिए सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण पर ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा उपकरणों में थोड़ा निवेश दुर्घटना अथवा मानव जीवन की क्षति को रोक सकता है। निर्माण उद्योग विकास परिषद, फरीदाबाद में वरिष्ठ सलाहकार और सुरक्षा स्वास्थ्य और पर्यावरण के वरिष्ठ लेखा परीक्षक, बीआर चैहान ने बिजली एवं वेल्डिंग में खराबी, धूल, कचरा तथा निर्माण उपकरण की विफलता को देखते हुए विभिन्न स्वास्थ्य खतरों से बचने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं से बचने के लिए उपकरणों की नियमित सुरक्षा जाँच और सुरक्षा कोड का पालन आवश्यक है। सुरक्षा दिशा-निर्देशों की नियमित निगरानी के लिए निर्माण और औद्योगिक क्षेत्र में सुरक्षा टीम आवश्यक है। अहलूवालिया कॉन्ट्रैक्ट्स (इंडिया) लिमिटेड के प्रमुख अमरजीत सिंह अहलूवालिया ने निर्माण क्षेत्र में सुरक्षा पहल पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि उनकी कंपनी प्रबंधित निर्माण कंपनी है जो पूरे भारत में बड़ी परियोजनाओं को संभाल रही है। इतने बड़े प्रोजेक्ट व्यवसाय में भी, यह विभिन्न सुरक्षित विनियमन और सुरक्षा ऑडिट का पालन करके श्रमिकों की सुरक्षा को सुनिश्चित बनाती है।

NEWS CLIPPING: 14.10.2020

HINDUSTAN

आगाज: जेसी बोस में सेफ्टी इंजीनियरिंग पर कार्यक्रम

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए के सिविल इंजीनियरिंग विभाग और आरईसी अंबेडकर नगर (यूपी) की ओर से मंगलवार को सेफ्टी इंजीनियरिंग पर पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम की शुरुआत हुई।

देशभर से प्रतिभाग आयोजन में शामिल हुए : कार्यक्रम में देश भर के विभिन्न कॉलेजों के 115 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग ने किया। उन्होंने सुरक्षा इंजीनियरिंग पर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विभाग को बधाई देते हुए कहा कि सिविल कार्यों में सुरक्षा एक महत्वपूर्ण पहलू है।

श्रमिकों की दक्षता जरूरी : उन्होंने कहा कि निर्माण महत्वपूर्ण क्षेत्र है जहां श्रमिकों की दक्षता में सुधार और दुर्घटनाओं से बचाव के लिए सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण पर ध्यान देना जरूरी है। सुरक्षा उपकरणों में थोड़ा निवेश दुर्घटना को रोक सकता है। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. विशाल पुरी, योगेश मोर्या और डॉ. रजनी सग्गू की देखरेख में किया चलेगा।